UNIVERSITY NEWS 30 DECEMBER 2025

HINDUSTAN TIMES

IMS CONFERENCE CONCLUDES AT LU

HT Correspondent
letters@htlive.com

LUCKNOW: The 91st annual four-day international conference of the Indian Mathematical Society (IMS) concluded at Lucknow University on Monday with an award ceremony recognising outstanding research papers and symposia in areas including algebra, special functions, algebraic topology and differential topology.

Ayushi Kapoor of the University of Lucknow and Samiksha Mahajan of SVNIT, Surat, received the best presentation award in the field of special functions. Ashish Bansal of Keshav Mahavidyalaya, Delhi, was conferred the V. M. Shah Award for his contribution to approximation theory on the final day of the conference.

Mathematicians from India and abroad took part in the event, which also featured special sessions aimed at making mathematics more interesting and accessible, especially for high school and intermediate students. For the first time, school students and teachers were invited to attend an IMS conference.

During the valedictory ceremony, IMS academic secretary G P Rajshekhar said around 300 research papers were presented by scholars and academicians, with 342 registrations recorded — the highest participation in the society's history.

It was also announced that the 92nd annual IMS conference is proposed to be held at South East Asian University, New Delhi.

Prof Ameen Sofi of the University of Kashmir was unanimously elected as the next IMS president and will assume office on April 1 next year.

HINDUSTAN

आधुनिक खेती को अपनाएंगे किसान

लखनऊ। एलयू के अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय के बीटेक अंतिम वर्ष के छात्रों द्वारा विकसित नवाचारी परियोजना कृषि सखी: ए डेटा-ड्रिवन स्मार्ट एग्रीकल्चर डिसीजन सपोर्ट सिस्टम को उत्तर प्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (सीएसटी-यूपी) की इंजीनियरिंग स्टूडेंट्स प्रोजेक्ट ग्रांट स्कीम 2025-26 के तहत अनुदान के लिए चयनित किया गया है। इस परियोजना की अगुवाई बीटेक अंतिम वर्ष के छात्र रत्नेश त्रिपाठी कर रहे हैं। टीम में कृष्णा यादव, अभिषेक पांडेय एवं आदित्य मौर्य शामिल हैं। छात्र परियोजना से संबंधित कार्य कंप्यूटर साइंसइंजीनियरिंग विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. हिमांशु पाण्डेय के निर्देशन में संपादित किया जाएगा।

TIMES OF INDIA

Students' agri project to get CST funds

Times News Network

Lucknow: A project developed by final-year BTech students of the faculty of engineering and technology at Lucknow University (LU) has been selected for funding under the Engineering Students' Project Grant Scheme 2025-26 of the UP Council of Science and Technology (CST-UP). The project, titled 'Krishi Sakhi', is a data driven smart agriculture decision support system aimed at improving farming practices through technology led solutions.

The project is led by Ratnesh Tripathi, with team members Krishna Yadav, Abhishek Pandey and Aditya Maurya, under the supervision of Himanshu Pandey, associate professor, department of computer science and engineering.

'Krishi Sakhi' focuses on providing farmers with scientific and data-backed support for crop selection, fertiliser management and irrigation planning. The system integrates AI-ML based decision making with an ESP32 microcontroller based portable sensor unit, GSM communication and sensors to monitor soil moisture, temperature and pH. It also incorporates weather forecasts, satellite data, soil profiles, govt databases and market price trends. The project prototype will be presented before CST-UP experts in Apr 2026.

PM scheme for writers

Times News Network

Lucknow: A former student of Lucknow University, **Shivam Singh** has been selected for the third edition of the Prime Minister's Young Writers Mentorship Scheme (PM-YUVA). The national level programme is jointly run by the ministry of education and the National Book Trust (NBT) with the aim of nurturing young literary talent and promoting Indian languages and culture through original writing.

Shivam's selection is particularly noteworthy as only six young writers from across the country have been chosen in the Hindi language category this year, placing him among an elite group of emerging writers at the national level.

A resident of Barabanki, Shivam completed his graduation and post-graduation in Hindi from LU and is currently pursuing his PhD from Delhi University.

Under the mentorship scheme, Shivam will work on an important book focusing on the makers of modern India.

The book will be published by the NBT, offering him a rare opportunity to reach a wide national readership early in his literary career.

AMAR UJALA

लविवि के विद्यार्थियों ने बनाई स्मार्ट खेती की राह, प्रोजेक्ट ग्रांट में चयन

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के बीटेक छात्रों की नवाचारी परियोजना 'कृषि सखी एवं डाटा-ड्रिवन स्मार्ट एग्रीकल्चर डिसीजन सपोर्ट सिस्टम' का चयन विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (सीएसटी-यूपी) की प्रोजेक्ट ग्रांट स्कीम के तहत किया गया है। यह परियोजना किसानों को खेती से जुड़े अहम निर्णयों में आधुनिक तकनीक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के माध्यम से सहायता प्रदान करेगी।

इस परियोजना पर बीटेक अंतिम वर्ष के छात्र रत्नेश त्रिपाठी, कृष्णा यादव, अभिषेक पांडेय और आदित्य मौर्य कार्य कर रहे हैं। छात्र कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. हिमांशु पांडेय के निर्देशन में परियोजना को आगे बढ़ाएंगे।

परियोजना का उद्देश्य 'कृषि सखी' परियोजना का मुख्य उद्देश्य किसानों को फसल चयन, उर्वरक प्रबंधन और सिंचाई योजना जैसे महत्वपूर्ण निर्णयों में डाटा आधारित वैज्ञानिक मार्गदर्शन उपलब्ध कराना है। यह प्रणाली पारंपरिक खेती को आधुनिक तकनीक से जोड़ते हुए एआई आधारित स्मार्ट निर्णय लेने में मदद करेगी, जिससे उत्पादकता में वृद्धि, लागत में कमी और जोखिम प्रबंधन संभव हो सकेगा।

परियोजना के तहत विकसित मोबाइल एप के माध्यम से किसानों को उनकी भूमि, स्थान, मिट्टी की स्थिति और फसल इतिहास के आधार पर रीयल-टाइम कृषि सलाह उपलब्ध कराई जाएगी। इसमें कीट-रोग चेतावनी, सिंचाई एवं उर्वरक सुझाव तथा बाजार से जुड़ी अहम जानकारी भी शामिल होगी। परियोजना के प्रोटोटाइप का प्रदर्शन अप्रैल 2026 में प्रस्तावित है। (संवाद)

लविवि : नेतृत्व में इतिहास और व्यवस्थाओं में बदलाव

- 105 साल के इतिहास में प्रो. मनुका खन्ना का दूसरी महिला कुलपति बनना लखनऊ विवि के लिए ऐतिहासिक रहा।
- योग, कृषि, प्रबंधन, नवीकरणीय ऊर्जा व फार्मास्यूटिकल साइंसेज की शुरुआत।
- ऑनलाइन व डिस्टेंस एजुकेशन सेंटर की स्थापना।
- 249 नए शिक्षकों की नियुक्ति।
- शिक्षक-छात्र अनुपात 1:38 से सुधरकर 1:27।
- ई-लाइब्रेरी, परीक्षा व भर्ती पोर्टल की शुरुआत।
- डीजी लॉकर पर 7 लाख से अधिक अंकपत्र अपलोड।

विवाद भी रहे चर्चा में

- पूर्व कुलपति आलोक राय से जुड़ी शिकायतें।
- निर्माण कार्यों में भ्रष्टाचार के आरोप।

AMRIT VICHAR

प्रशांत बने न्यूमिस्मैटिक सोसायटी के अध्यक्ष

अमृत विचार, लखनऊ: लखनऊ विश्वविद्यालय के प्राचीन भारतीय इतिहास विभाग के शिक्षक प्रो. डॉ. प्रशांत श्रीवास्तव को शैक्षणिक संस्था द न्यूमिस्मैटिक सोसायटी ऑफ इंडिया का अध्यक्ष निर्वाचित किया गया है। यह निर्वाचन सोसायटी की सामान्य निकाय बैठक में संपन्न हुआ। न्यूमिस्मैटिक सोसायटी ऑफ इंडिया की स्थापना 1910 में हुई थी। यह भारतीय मुद्रा विज्ञान, प्राचीन इतिहास, पुरातत्व और सांस्कृतिक अध्ययन के क्षेत्र में एक अग्रणी संस्था मानी जाती है। प्रो. डॉ. प्रशांत श्रीवास्तव को सोसायटी के आगामी सत्र के लिए अध्यक्ष चुना गया है, जिसके अंतर्गत संस्था का 108वां वार्षिक सम्मेलन अक्टूबर-नवंबर में आयोजित किया जाएगा।

VOICE OF LUCKNOW

लविवि के प्रो. प्रशांत श्रीवास्तव को चुना गया न्यूमिस्मैटिक सोसायटी ऑफ इंडिया का अध्यक्ष

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के लिए यह अत्यंत गौरव का विषय है कि विश्वविद्यालय के प्राचीन भारतीय इतिहास विभाग में कार्यरत वरिष्ठ शिक्षक प्रो. प्रशांत श्रीवास्तव को देश की प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्था द न्यूमिस्मैटिक सोसायटी ऑफ इंडिया का अध्यक्ष निर्वाचित किया गया है। यह निर्वाचन सोसायटी की सामान्य निकाय बैठक में 12 दिसंबर को संपन्न हुआ।

न्यूमिस्मैटिक सोसायटी ऑफ इंडिया, जिसकी स्थापना वर्ष 1910 में हुई थी, भारतीय मुद्रा विज्ञान, प्राचीन इतिहास, पुरातत्व और सांस्कृतिक अध्ययन के क्षेत्र में एक अग्रणी संस्था मानी जाती है। प्रो. प्रशांत श्रीवास्तव को सोसायटी के आगामी सत्र के लिए अध्यक्ष चुना गया है, जिसके अंतर्गत संस्था का 108वां वार्षिक सम्मेलन अक्टूबर/नवंबर 2026 में आयोजित किया जाएगा। सम्मेलन की तिथि एवं स्थान की घोषणा शीघ्र की जाएगी।

उनका शिक्षण एवं शोध कार्य प्राचीन भारतीय इतिहास, मुद्रा अध्ययन और ऐतिहासिक स्रोतों के विश्लेषण के क्षेत्र में विशेष रूप से सराहनीय रहा है। उनके अध्यक्ष चुने जाने से न केवल लखनऊ विश्वविद्यालय की अकादमिक प्रतिष्ठा को राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान मिलेगी, बल्कि भारतीय इतिहास एवं मुद्रा विज्ञान के अध्ययन को भी नई दिशा प्राप्त होगी। न्यूमिस्मैटिक सोसायटी ऑफ इंडिया के महासचिव प्रो. परस नाथ सिंह द्वारा जारी औपचारिक पत्र में इस निर्वाचन की जानकारी देते हुए प्रो. प्रशांत श्रीवास्तव को बधाई एवं शुभकामनाएं दी गई हैं। लखनऊ विश्वविद्यालय परिवार ने प्रो. प्रशांत श्रीवास्तव को इस उपलब्धि पर हार्दिक बधाई देते हुए उनके सफल कार्यकाल की कामना की है।

DAINIK JAGRAN

कृषि सखी तकनीक से आधुनिक खेती के तरीके जानेंगे किसान

जासं • लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय के बी.टेक अंतिम वर्ष के छात्रों की ओर से विकसित नवाचारी परियोजना 'कृषि सखीः ए डेटा-ड्रिवन स्मार्ट एग्रीकल्चर डिसीजन सपोर्ट सिस्टम' को उत्तर प्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (सीएसटी-यूपी) की इंजीनियरिंग स्टूडेंट्स प्रोजेक्ट ग्रांट स्कीम 2025–26 के अंतर्गत अनुदान के लिए चयनित किया गया है।

इस परियोजना का नेतृत्व बी.टेक अंतिम वर्ष के छात्र रत्नेश त्रिपाठी कर रहे हैं। टीम में कृष्णा यादव, अभिषेक पांडेय एवं आदित्य मौर्य शामिल हैं। छात्र परियोजना से संबंधित कार्य कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डा. हिमांशु पाण्डेय के निर्देशन में संपादित करेंगे। छात्रों की इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. मनुका खन्ना और डीन प्रो. सतेंद्र पाल सिंह ने उन्हें बधाई दी।

इंजीनियरिंग विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डा. हिमांशु पांडेय के अनुसार यह प्रणाली परंपरागत खेती को आधुनिक तकनीक से जोड़ते हुए एआइ अथवा मशीन लर्निंग आधारित स्मार्ट निर्णय-सहायता प्रदान करेगी, जिससे उत्पादकता में वृद्धि, लागत में कमी तथा जोखिम प्रबंधन संभव हो सकेगा। तकनीकी दृष्टि से यह प्रणाली ईएसपी 32 माइक्रोकंट्रोलर आधारित पोर्टेबल सेंसर यूनिट, जीएसएम संचार प्रणाली, तथा मृदा नमी, तापमान एवं पीएच जैसे आवश्यक सेंसरों पर आधारित होगी। इसके साथ ही मौसम पूर्वानुमान, सैटेलाइट डेटा, ऐतिहासिक कृषि आंकड़ें, क्षेत्रीय मिट्टी प्रोफाइल, सरकारी मृदा-मौसम डेटासेट्स एवं मंडी मूल्य प्रवृत्तियों का एकीकृत विश्लेषण किया जाएगा, जिससे खेत एवं फसल की स्थिति का समग्र आकलन संभव हो सकेगा।

DAINIK JAGRAN

मंथन

भारतीय गणितीय सोसाइटी के 91वें वार्षिक सम्मेलन में विशेषज्ञों ने दिए अहम सुझाव

जटिल विश्लेषण और फंक्शन थ्योरी की समझ समय की जरूरत

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। गणित और खगोल विज्ञान जैसे विषयों को विद्यार्थियों के लिए अधिक सरल और आकर्षक बनाने के लिए जटिल गणितीय अवधारणाओं को नए तरीके से प्रस्तुत करने की आवश्यकता है। कैलकुलस, सांख्यिकी जैसे कठिन विषयों को डेटा विजुअलाइजेशन, कला और व्यावहारिक अवलोकन से जोड़कर पढ़ाया जाए, ताकि छात्र बुनियादी भौतिकी और उपकरणों के प्रयोग के जरिए बेहतर ढंग से सीख सकें।

यह विचार आईआईटी इंदौर के प्रोफेसर स्वदेश कुमार साहू ने लखनऊ विश्वविद्यालय में आयोजित भारतीय गणितीय सोसाइटी (आईएमएस) के 91वें वार्षिक सम्मेलन के दौरान व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि खगोल विज्ञान को सभी के लिए सुलभ और रोचक बनाने के साथ-साथ जटिल विश्लेषण और फंक्शन थ्योरी जैसे क्षेत्रों में भी गहन कार्य की आवश्यकता है।

सम्मेलन के दौरान विशेषज्ञों ने गणितीय ज्ञान के प्रसार, शोध सहयोग और शैक्षणिक सफलता में भारतीय गणितीय सोसाइटी की भूमिका पर प्रकाश डाला। समानांतर संगोष्ठियों में ली अल्जेब्रा के प्रतिरूपण सिद्धांत पर आयोजित सत्र का संयोजन एचआरआई प्रयागराज की प्रो. पुनीता बत्रा ने किया।

इस अवसर पर भारतीय गणितीय सोसाइटी के अध्यक्ष प्रो. एसएस खरे, महासचिव प्रो. एमएम शिकारे, स्थानीय आयोजन सचिव प्रो. विवेक सहाय सहित देश-विदेश से आए गणितज्ञ, शिक्षाविद, शोधकर्ता और विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

सम्मेलन में लविवि के डॉ. श्याम किशोर, प्रो. पंकज माथुर, आईआईटी कानपुर के पी. मुत्थुकुमार, आईआईटी मद्रास के एस. पोनुसामी, मद्रास विश्वविद्यालय (चेन्नई) के जीपी युवराज, आईआईटी इंदौर के एसके साहू, आईआईटी रोपड़ के सैराम कलिराज, आईआईएसईआर कोलकाता के सुशील गोरे और पांडिचेरी विश्वविद्यालय के राकेश परमार। फोटो : पीटीआई

'एआई पहले ही बता देगा रसायन की प्रतिक्रिया'

लखनऊ। आईआईटी बॉम्बे के रसायनशास्त्री प्रो. राघवन बी सुनोज के मुताबिक एआई (कृत्रिम बुद्धिमत्ता) का इस्तेमाल करके रासायनिक अभिक्रियाओं की सटीक भविष्यवाणी की जा सकती है। प्रो. सुनोज सोमवार को सीएसआईआर-केंद्रीय औषधि अनुसंधान संस्थान के 75 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर स्वास्थ्य क्षेत्र में नवाचार श्रृंखला के तहत आयोजित व्याख्यान में बोल रहे थे। प्रो. सुनोज ने बताया कि किसी अणु की संरचना उसके रासायनिक गुणों और व्यवहार को निर्धारित करती है। एआई तकनीक उपलब्ध वैज्ञानिक डाटा के विश्लेषण से इन संबंधों को समझने में सहायक है। इन तकनीकों का इस्तेमाल दवा खोज, उत्प्रेरक विकास और सामग्री विज्ञान जैसे क्षेत्रों में तेजी से बढ़ रहा है, जिससे समय और लागत दोनों की बचत हो रही है। इस मौके पर डॉ. अरविंद के. बजी ने व्याख्यान दिया। इसके बाद आयोजित संवाद सत्र में वैज्ञानिकों, शोधार्थियों और विद्यार्थियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्थान की निदेशक डॉ. राधा रंगराजन ने की। उन्होंने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस रसायन और औषधि अनुसंधान के क्षेत्र में नई संभावनाएं खोल रहा है और भविष्य की स्वास्थ्य-देखभाल आवश्यकताओं को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इस मौके पर डॉ. प्रेम प्रकाश यादव मौजूद रहे। (माई सिटी रिपोर्टर)

प्रो. राघवन बी सुनोज।

DAINIK JAGRAN

शिक्षा डायरी

प्रो. प्रशांत श्रीवास्तव बने भारतीय मुद्रा परिषद के अध्यक्ष

लखनऊ : लवि के प्राचीन भारतीय इतिहास के वरिष्ठ शिक्षक प्रो. प्रशंत श्रीवास्तव को भारतीय मुद्रा परिषद का अध्यक्ष निर्वाचित किया गया है। हाल ही में हैदराबाद में हुए परिषद के वार्षिक अधिशेन में उन्हें चुना गया। राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय जर्नल में प्रो. प्रशांत के 30 से अधिक 100 से ज्यादा शोध प्रकाशित हो चुके हैं, जिनमें करीब 50 शुद्ध शक्तरूप पर आधारित हैं। वहीं, उनकी 20 किताबों में भी मुद्रा शास्त्र से जुड़ी हैं। भारतीय मुद्रा परिषद भारतीय मुद्रा विज्ञान, प्राचीन इतिहास, पुरातत्व और सांस्कृतिक अध्ययन के क्षेत्र में एक अग्रणी संस्था मानी जाती है। संस्था का 108वां वार्षिक सम्मेलन अक्टूबर/नवंबर 2026 में होगा, जिसकी तिथि व स्थान जल्द घोषित किया जाएगा। परिषद के महासचिव प्रो. डा. परस नाथ सिंह ने इस निर्धारण की जानकारी दी। वि.

AMRIT VICHAR

स्कूली गणित पर आइएमएस में मंथन

भारतीय गणित परिषद ने स्कूली गणित पर जताई चिंता, लविवि में हुआ आयोजन

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : लखनऊ विश्वविद्यालय में आयोजित भारतीय गणितीय सोसाइटी (आईएमएस) का चार दिवसीय 91वां वार्षिक सम्मेलन संपन्न हो गया। इस दौरान पहली बार माध्यमिक विद्यालयों में गणित शिक्षण की गुणवत्ता को लेकर गंभीर मंथन किया गया। गणितज्ञों ने चिंता जताई कि जब तक स्कूली स्तर पर गणित शिक्षण में सुधार नहीं होगा, तब तक उच्च शिक्षा के लिए योग्य विद्यार्थी तैयार नहीं हो पाएंगे। सम्मेलन का आयोजन विश्वविद्यालय के गणित एवं खगोल विज्ञान विभाग में किया गया।

सम्मेलन के अंतिम दिन वी. रामस्वामी अय्यर स्मृति पुरस्कार व्याख्यान का आयोजन हुआ, जिसे इलाहाबाद विश्वविद्यालय के सेवानिवृत्त प्रोफेसर एवं आईआईआईटी प्रयागराज से जुड़े प्रो. रामजी लाल ने प्रस्तुत किया। उन्होंने "यूनिवर्सल कम्प्यूटेशन आइडेंटिटीज, ग्रुप्स पर संरचनाएं" विषय पर गहन सैद्धांतिक विवेचना की। इस दौरान ली अल्जेब्रा के प्रतिरूपण सिद्धांत, वेइल मॉड्यूल्स, ली सुपरअल्जेब्रा, स्थिर होमोलॉजी और इंटीग्रेबल प्रतिरूपणों पर विशेषज्ञों ने व्याख्यान दिए।

फंक्शन थ्योरी पर प्रो. स्वदेश कुमार साहू (आईआईटी इंदौर) ने जटिल विश्लेषण और समकालीन गणितीय विकास पर प्रकाश डाला।

लखनऊ विश्वविद्यालय में आयोजित भारतीय गणितीय सोसाइटी के सम्मेलन में मौजूद अतिथि। अमृत विचार

यह रहे उपस्थित

- सम्मेलन में डॉ. श्याम किशोर (लखनऊ विश्वविद्यालय), प्रो. पंकज माथुर (लविवि), पी. मुत्थुकुमार (आईआईटी कानपुर), एस. पोनुसामी (आईआईटी मद्रास), जी.पी. युवराज (मद्रास विश्वविद्यालय, चेन्नई), एस.के. साहू (आईआईटी इंदौर), सैराम कलिराज (आईआईटी रोपड़), सुशील गोरे (आईआईएसईआर कोलकाता) और राकेश परमार (पांडिचेरी विश्वविद्यालय) सहित देशभर के गणितज्ञ उपस्थित रहे।

NBT

शोध में दावा, असम के शहद में तनाव दूर करने वाले तत्व

NBT रिपोर्ट, लखनऊ: असम के शहद में कुछ ऐसे प्राकृतिक तत्व पाए गए हैं, जिनसे न सिर्फ तनाव दूर करने में मदद मिलेगी। साथ ही सूजन दूर करने व जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों की रोकथाम में यह काफी सहायक है। लखनऊ विश्वविद्यालय के बॉटनी विभाग की ओर से इस पर शोध किया गया है, जिसमें यह खुलासा हुआ है। यह शोध फ्रंटियर्स इन न्यूट्रिशन जर्नल में प्रकाशित किया गया है। इसमें बताया गया है कि इस शहद में कई एंजाइम, अमीनो अम्ल व आवश्यक खनिज पाए गए हैं, जो अन्य शहदों की तुलना में कहीं अधिक समृद्ध है।

इस शोध को बॉटनी विभाग के डॉ. प्रदीप कुमार ने किया है। उन्होंने बताया कि असम में मधुमक्खियों की कई प्रजातियां पाई जाती हैं। इसमें हमने बिना डंक वाली मधुमक्खी समेत कुल चार प्रजातियों के शहद पर यह शोध किया है, जो सबसे ज्यादा पाई जाती है। इनके शहद में फेनोलिक और फ्लेवोनॉइड्स की मात्रा सर्वाधिक पाई गई। यह प्राकृतिक एंटीऑक्सीडेंट्स में भरपूर मिला है तो ऑक्सिडेटिव तनाव को दूर करने में काफी सहायक माना जाता है। प्रयोगशाला अध्ययनों में इस शहद ने उच्च ऐंटीऑक्सिडेंट सक्रियता और टायफॉइड, पेचिश, गले के संक्रमण और दंत रोगों के लिए जिम्मेदार रोगजनकों के खिलाफ व्यापक जीवाणुरोधी पाया गया है। इसे औषधीय उपचार के रूप में प्रस्तुत नहीं किया गया है, फिर भी यह अध्ययन एक फंक्शनल फूड के रूप में रेखांकित किया गया है।

LU के बॉटनी विभाग ने किया शोध

HINDUSTAN

प्रो. प्रशांत न्यूमिस्मैटिक सोसायटी के अध्यक्ष बने

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के प्राचीन भारतीय इतिहास विभाग में वरिष्ठ शिक्षक प्रो. प्रशांत श्रीवास्तव को देश की प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्था न्यूमिस्मैटिक सोसायटी ऑफ इंडिया का अध्यक्ष निर्वाचित किया गया। निर्वाचन सोसायटी की सामान्य निकाय बैठक में 12 दिसंबर को हुआ। सोसायटी भारतीय मुद्रा विज्ञान, प्राचीन इतिहास, पुरातत्व और सांस्कृतिक अध्ययन के क्षेत्र में कार्यरत है।

AMAR UJALA

लविवि : परीक्षा कार्यक्रम जारी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने एमए प्रथम सेमेस्टर, बीए थर्ड सेमेस्टर और बीएएससी प्रथम सेमेस्टर का परीक्षा कार्यक्रम जारी कर दिया है। परीक्षाएं 6 जनवरी से शुरू होंगी। विद्यार्थी विस्तृत परीक्षा कार्यक्रम लविवि की वेबसाइट www.lkouniv.ac.in पर देख सकते हैं। (संवाद)

लविवि के प्रो. प्रशांत बने अध्यक्ष

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में प्राचीन भारतीय इतिहास विभाग के प्रो. डॉ. प्रशांत श्रीवास्तव को शैक्षणिक संस्था द न्यूमिस्मैटिक सोसायटी ऑफ इंडिया का अध्यक्ष चुना गया है। इस संस्था की स्थापना वर्ष 1910 में हुई थी जो भारतीय मुद्रा विज्ञान, प्राचीन इतिहास, पुरातत्व और सांस्कृतिक अध्ययन के क्षेत्र में अग्रणी मानी जाती है। प्रो. श्रीवास्तव को सोसायटी के आगामी सत्र के लिए अध्यक्ष चुना गया है, जिसके तहत संस्था का 108वां वार्षिक सम्मेलन 2026 में होगा। (संवाद)

DAINIK JAGRAN

स्टिंगलेस बी शहद टाइफायड व गले का संक्रमण रोकने में प्रभावी

जागरण संवाददाता • लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डा. प्रदीप कुमार ने असम कृषि विश्वविद्यालय के साथ मिलकर असम में पाई जाने वाली वाली विभिन्न मधुमक्खी की प्रजातियों पर महत्वपूर्ण शोध किया है। शोधकर्ताओं ने एपिस सेरेना, एपिस मेलिफेरा, एपिस डोरसाटा तथा बिना डंक वाली मधुमक्खी टेट्रागोनुला इरिडिपेनिस के शहद का अध्ययन किया, जिसमें स्टिंगलेस बी शहद पर विशेष ध्यान दिया गया। लवि की प्रयोगशाला में हुए अध्ययन में पाया गया कि स्टिंगलेस बी शहद में उच्च एंटीआक्सीडेंट सक्रियता और टाइफायड, पेचिश, गले के संक्रमण तथा दंत रोगों के लिए जिम्मेदार रोगजनकों के विरुद्ध व्यापक जीवाणुरोधी प्रभाव है। इस शोध अध्ययन को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित जर्नल फ्रंटियर्स इन न्यूट्रिशन (इम्पैक्ट फैक्टर: 5.1) में प्रकाशित किया गया है।

शोध के लिए असम में डंक रहित मधुमक्खियों का शहद एकत्र किया गया • सौ लवि

डा. प्रदीप कुमार बताते हैं कि अध्ययन के प्रमुख निष्कर्षों से पता चला कि टी. इरिडिपेनिस (स्टिंगलेस बी) का शहद एंजाइम, अमीनो अम्ल, आवश्यक खनिजों तथा पौध-उत्पन्न जैव-सक्रिय यौगिकों की मात्रा में अन्य शहदों की तुलना में कहीं अधिक समृद्ध है। विशेष रूप से इसमें फेनोलिक और फ्लेवोनाइड्स की मात्रा सर्वाधिक मिली। ये शक्तिशाली प्राकृतिक एंटीआक्सीडेंट, आक्सीडेटिव तनाव, सूजन और जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों से सुरक्षा में सहायक माने जाते हैं। प्रयोगात्मक परिस्थितियों में कोशिका जीवितता में कमी भी देखी गई, जो इसकी मजबूत एंटीआक्सीडेंट क्षमता को दर्शाती है। हालांकि इसे औषधीय उपचार के रूप में प्रस्तुत नहीं किया गया है, फिर भी यह अध्ययन इसे एक फंक्शनल फूड के रूप में रेखांकित करता है, जो आहार में शामिल होने पर प्रतिरक्षा और समग्र स्वास्थ्य को सहारा दे सकता है। इस शोध में लवि के वनस्पति विज्ञान विभाग के शोधार्थी डा. ऋतुराज बोरा, असम कृषि विश्वविद्यालय के प्रोफेसर मुकुल डेका और डा. पार्थ प्रतिम झानुदेवेन दास का विशेष सहयोग रहा।

लवि के वनस्पति विज्ञान विभाग के डा. प्रदीप कुमार ने असम में पाई जाने वाली वाली मधुमक्खी की प्रजातियों पर किया शोध

फूल के पास मंडराती मधुमक्खी • सौ लवि

डा. आयुषी, समीक्षा व डा. आशीष को मिला सम्मान

जासं • लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय की डा. आयुषी कपूर, एसवीएनआइटी सूरत की समीक्षा महाजन को विशेष फलन के क्षेत्र में श्रेष्ठ प्रस्तुति पुरस्कार दिया गया। केशव महाविद्यालय, दिल्ली के डा. आशीष बंसल को अनुमापन सिद्धांत के क्षेत्र में वीएम शाह पुरस्कार प्रदान किया गया। तीनों को लखनऊ विश्वविद्यालय में भारतीय गणितीय सोसाइटी (आइएमएस) के 91वें वार्षिक चार दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में सम्मानित किया गया।

सम्मेलन के अंतिम दिन सोमवार को गणितज्ञों ने गणितीय विचारों का आदान-प्रदान किया। सोसाइटी के अकादमिक सचिव ने बताया कि सम्मेलन में लगभग 300 शोध-पत्र शोधार्थियों ने प्रस्तुत किए। इसमें पहली बार 342 पंजीकरण हुए थे।

AMRIT VICHAR

लविवि छात्रों की कृषि सखी को सीएसटी से मिली ग्रांट

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के अभियांत्रिकी व तकनीकी संकाय के बीटेक अंतिम वर्ष के छात्रों द्वारा विकसित कृषि सखी, एक डेटा ड्रिवन स्मार्ट एग्रीकल्चर डिसीजन सपोर्ट सिस्टम, को विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (सीएसटी-यूपी) की इंजीनियरिंग स्टूडेंट्स प्रोजेक्ट ग्रांट के लिए चयनित किया गया है। इस परियोजना का नेतृत्व बीटेक अंतिम वर्ष के छात्र रत्नेश त्रिपाठी कर रहे हैं। टीम में कृष्णा यादव, अभिषेक पांडेय और आदित्य मौर्य शामिल हैं। परियोजना से संबंधित कार्य कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. हिमांशु पाण्डेय के निर्देशन में संपादित होंगे।

कृषि सखी परियोजना का उद्देश्य किसानों को फसल चयन, उर्वरक प्रबंधन में डेटा आधारित वैज्ञानिक सहायता प्रदान करना है।